शिशु गीत और खेल

[मैथिली लोकगीत मे]

Mai
891.4311 (Mai)
SIN

संकलयित्री
डाक्टर प्रोफेसर अणिमा सिंह
लेडी ब्रेबोर्न कालेज,
कलकत्ता

SAHITYA AKADEMI
Library
40486
RABINDRA BHAVAN NEW DELHI

प्रकाशक
मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड
१४ बी, ब्रजनाथ मित्र लेन,
कलकत्ता-६

प्रकाशक :
मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड
१४ बी, ब्रजनाथ मित्र लेन,
कलकत्ता-६

मुद्रक :
सिंह प्रेस
१६२/८०, लेक गार्डेन्स,
कलकत्ता-४५

प्रथम संस्करण :
१९६६
१००० प्रति

मूल्य :
६० पैसा

आमुख

मानव जीवन मे शिशु-गीत एवं क्रीड़ा क महत्ता सहजहि बहुत अधिक छैक। बाल-लीला एवं शिशु-विषयक सहज व्यवहार सँ पाषाणो हृदय एक बेर आनन्द-विह्वल भ' ज सकैछ। विश्व क कोनो साहित्य एहि रमणीय वातावरण क उपेक्षा नहि क' सकल अछि। सूर-तुलसी आदि श्रेष्ठ कवि लोकनि क बाल-वर्णन देखबे योग्य अछि। किन्तु एतय संगृहीत गीत-माधुरी आन कोनो काव्य मे दुर्लभ अछि। शिशु-विषयक एहन सरस गीत सँ जे कोनो भाषा साहित्य गौरवान्वित भ' सकैछ। लोक-मनीषा द्वारा एकर अनुपम वर्णन भेल अछि।

मैथिली मे कैक प्रकार क शिशु-गीत गाओल जाइछ। किछु गीत तँ कननिहार नेना कें चुप करबा क लेल गाओल जाइछ, किछु गीत तखन गाओल जाइछ जखन शिशु खाइत नहि अछि और माय या आन स्त्री ओकरा फुसला कए खुआबै चाहैत छथि, किछु गीत ओकरा सुखपूर्वक सुतेबाक लेल गाओल जाइछ, जकरा हिन्दी मे 'लोरी' बंगला मे 'घुमपाड़ानी गान' तथा अंग्रेजी मे 'लुलाबाइ' कहल जाइत छैक। एकर अतिरिक्त किछु एहनो शिशु गीत भेटैछ, जकरा शिशुक मन बहलाबक लेल स्त्रिगण गबैत छथि। किछु शिशु गीत मे प्रायः कथात्मकता होइछ, किन्तु ओहि कथात्मकता क निर्वाह नीक जकाँ नहि भ' सकैछ। बीचे मे श्रृंखला टुटि जाइछ वा उद्धृटांग बात आबि जाइछ।

एहि गीत सभक तुक और छन्द-योजना मे प्रचुर लोच पायेत छी अनेक प्रकार क अंग-संचालन तथा सुन्दर भाव-भंगी क संग अभिव्यक्त होमैवाला गीत बड़ मनोहारी लगैछ। किछु गीत मे गृहस्थी क समस्या क समावेश रहैछ। एहि मे गृहस्थी सँ सम्बन्धि वस्तु सभक तथा परिवार क स्त्री लोकनिक पारस्परिक सम्बन्ध क चुस्त और सुन्दर वर्णन भेटैछ।

खेलक्षा काल खेलाड़ी सब गीत क उपयोग करैत छथि। एहि गीत सब के खेलाड़ी क मन क उल्लास और उमंग अभिव्यक्ति भेटैछ। खेल क क्रम और विधि क अनुरूपे ओकर छन्द-योजना होइछ। अधिकांश खेल मे गीत क पद बहुत कम होइछ; किन्तु ओहि पद क आवृत्ति विभिन्न रूप मे विभिन्न शारीरिक चेष्टा क प्रदर्शन द्वारा फैल जाइछ। खेल और एतद्विषयक गीत असंख्य अछि।

—अणिमा सिंह

शिशु-गीत

१

अटका—चट्टा
अजय के लात मो बेटा
एक टा गेल गाय मे
एक टा गेल भैंस मे
एक टा गेल हाथी मे
एक टा गेल घोड़ा मे
एक टा गेल चक्की मे
एक टा गेल छकरी मे
एक टा गेल भेड़ी मे
खिरिया-पुड़िया रिन्हलह
अपना खेलब ?
— हँ
हमरा खेल राखलह ?
बिलाइ खाय गेल
चल गुड़गुड़िया, चल गुड़गुड़िया,
घोड़री लगा गुड़गुड़िया।

२

चान मामू, चान मामू, हँसुआ दे।
सेहो हँसुआ कथी ले ? -- खड़वा कटावै ले।
सेहो खड़वा कथी ले ? -- बंगला छरावै ले।
सेहो बंगला कथी ले ? -- गैया ढुकावै ले।
सेहो गैया कथी ले ? -- घोतवा पुरावै ले।
सेहो घोतवा कथी ले ? -- अंगना निपावै ले।
सेहो अंगना कथी ले ? -- गहूमा सुखावै ले।
सेहो गहूमा कथी ले ? -- मैदवा पिसावै ले।
सेहो मैदवा कथी ले ? -- पुड़िया पकावैले।
सेहो पुड़िया कथी ले ? -- भौजी के खिवावै ले।
सेहो भौजी कथी ले ? -- बेटवा बियावै ले।
सेहो बेटवा कथी ले ? -- गुल्ली-डंटा खेलैले।
गुल्ली-डंटा टुटि गेल, बबुआ रुसि गेल।

३

चान मामू, चान मामू,
आरे आयू, पारे आयू।
नदिया किनारे आयू,
चानी के कटोरिया मे,
दूध-भात नेने आयू।
हमर बुतुवाक मुंह मे पुटुक,
[illegible]

४

चल गे रंडी, दाखि दरदि ले।
केकरा जाँत
छोटका मामू के चकरी।
अटकन देलकैन, मटकन देलकैन,
सब दाखि खेलकैन बकरी।
लवे गहूम के छपपच पुरिया,
बाबा बगीचाक आम गे।
खाइ-पी ले गे रंडी नौरिया,
जैये सिपेहर आन गे।
माइ ले किनिदे नीक-नीक चुड़िया,
बहिन ले किनिदे आरी गे।
माइ देखतौ आरी-भारी,
बहिन देखतौ फुलवाड़ी गे।
दादी देखतौ खाट तुरैया।
नूनू छै चोपैया गे।

५

घुघुआ झूल, मलेल झूल,
कोन गाम झूल, पटना झूल,
पटनाक बिया-पुता बड़ि छटकी।
आँधी आएल, घुन्नी आएल
चम्पा फूल बझियाए गेल
लोढ़ी बिच्छी रहि गेल

मामू आवै छै हौदा पर
उतरह मामू खड़ाम पर
बैठह मामू चौका पर
बाबू राम के बेटी
हाथ मे गुलेती
मारै लागल छौकी
उड़ि गेल पड़ौकी
छप घर लेबह कि पुरान घर ?
छप घर उठो रे उठो
पुरान घर खसो।

९

घुघुआ झूल, गलेल झूल
कोन गाम झूल बेली झूल
बेली पितम्बर गाम की
सोनमनि का टिक झूला
पोखरि कात कात हिरला लगा
हिरला गेलौ टूटि
मुनु गेलौ हसि

७

हाथी-हाथी रउन दे।
बोल टन टन दे।
बड़का-बड़का कान दे,
एसे ठा बथान दे।

८

असिया झूलै, झलिया झूलै,
हमर नुनुवा हुमुचि झूलै।
बाबा के बगिचवा मे,
अमुवा के निचवा मे,
कर-कों, कर-कों, मुरला,
बेंगा के चिचिल्ला।

९

अटकन मटकन दहिया चटकन
माघ मास करेला फरै
आमुन गोटी जामुन गोटी
ऐसरी सोहाग गोटी
बाँस काटै ठाँय ठाँय
नदी गुंगुचायल जाय
कमलक फूल दुनू अलगल जाय
छोटी रानी बड़ी रानी गेली नहाय
कान मंझक तड़की गेलैन हेराय
आम की पहिरती कौआक ठोर
कौआ ठोर सऽ कारी
आम की पहिरती साड़ी
साड़ी मे सऽ खिलुआ
आम की पहिरती खिलुआ

१०

लाल दीदी गे
की दीदी गे
एक रत्ती छाल्ही चटलिओ गे
तेहि सै लाल कका मारलकै
आय कोन घर नुकइयो गे
बाबा घर नुकइयो गे
बाबा बड़ चंचलवा गे
दीये बजार मे खसलहुँ गे
सब बरियतवा हँसलक गे
हमरो मामा हँसलक गे

११

छाता बाला मुनसा के आवै छै?
पहुना आवै छै
नीमक गाछ पर की बजै छै?
मेंग बजै छै
आरे पहुना लड़िकए?
मेंग देबौ तड़ि कए
खइहौ सवादि कए
हुक्का देबौ भरि कए
श्रम मारिहौ कसि कए

१२

लाल गाछी गेलहुँ
लाल आम पेलहुँ
चोभा लगेलहुँ
बाबा के देलहुँ
बाबा ही बाघ छै बघिनिया छै
काजर बीजर केने छै
गयेपुर मे की छै
टिकुली सटायल छै
पौती मे की छै
हरमुनिया छै
गहना गुड़िया राखल छै

SAHITYA AKADEMI Library 40486

१३

काजर के कजरौटी बेटी,
हींगुर के मसाल।
सार गाछ देख बेटी,
देख संसार।

१४

अलिया गे, झलिया गे
गोला बरद खेत खाइ छौ गे
कहाँ गे?— डीह पर गे।
डीहक रखवार के गे? मामू गे

मामु गेलै पुरैनिया गे,
लाल-लाल बिछिया अनलक गे।
कल्लू सर पिन्हैलक गे,
सासु के गोर लगौलक गे,
ननद कें ठुनकैलक गे।

१५

तेल करै चुप चुप
नुनु बाढ़ै लुप लुप
तेली के तेलाय लागै
नुनु के मोटाय लागै
तेली माथा फूटै बेल
नुनु माथा सोखै तेल

१६

चन्दा मामू अजोना
घुंघरु बजौना
सोने सरवा
दूध के कटोरवा
चन्दा मामू घुटुक

१७

आको पाको
दिया जराको

सोनक दिया रूपा क बाती
नुनु सुतै सुखक राती
कननी खिमनी पाछु जा
हँसनी खेलनी आगु आ

१८

आहे माहे गोजा रोटी खा हे
मरुआ के रोटी गौरी दाय के बेटी
जाय छैन विदेसी
रंगे रंग ढोल बाजै सुनहु परदेसी

१९

जे हमरा नुनु के नजर लगावै गुजर लगावै
बासी बढ़नी धीपल खपड़ी
तकरा माँग पर मारौं
कैल करतूत ठीठ मूठ
नजर गुजर सब चूल्ही मे
पट पटाइ दै

२०

ओर घोर
नुनु जाय मामा कोर

२१

मैना गे तोहर गौना हैतो
हैत न त की

सोलह सौ सुपारी अयतो
आयल न त की
बारह हाथ के साड़ी अयतो
आयल न त की
सबका घर मे फदका करिहै
करब न त की

२२

सुतै सुतै रे मुनु बाल बचना
माइ गेलौ कूटै पीसै बाप गड़ीमान
दादा के केल सनक दादी बदनाम

२३

नुनु खाय दूध भत्ता
बिलेया चाटै पत्ता
जौं जौं पत्ता उधियायल जाय
तौं तौं मुनु रुसल जाय

२४

बाबा हो कका हो सुगा खाइछ' धान हो
हौकौ बेटी लछमी
गोड़ मे देबौ पैजनी
चलौ सुभद्रा फूल तोड़ै ले
फूले गाछ तर आयल जमाय
बेटी के लेलकौ दोली चढ़ाए
जँ जँ बेटी हँकरल जाय
तँ तँ कहरिया पछरल जाय

घर के लागल दाँती
कनिया पिटैये छाती
चल रे भोकना हाथी
घर बैठल घर तर
कनिया बैठल पीपर तर

२५

अलेल मलेल के जरना
तुलसी फूल के छरना
मामा अबेलौ मामा
कथी पर हाथी पर
उतरी मामा खड़ाम पर
ढैलौ मामा पिढ़िया पर
साठी धान के चूड़ा रे चूड़ा
धेनु भैंस के दूध
मामा खैता दही चूड़ा नुनु खैते जूठ

२६

हाहो रे परबतो सुगा
हमरा खेत मे जइहै सुगा
मामा के खेत जैहै सुगा
एकटा सीस अनिहै सुगा
बोंया गे भात करिहै सुगा
सितुआ मे माड़ परसैहै सुगा

अपना लीहै परतया मे
नुनु के दीहै कटोरवा मे
ले लै नुनु रुसल जाय
बाबा काका बौंसने जाय
चल रे नुनु हमर खरिहान
खेत मे देबौ एक सूप धान
लेकर किनिहै गूआ पान
पान वला के पाते नहि
तै हमरा नुनू के पाते नहि

२७

हे मे बिलैया कतय जाइछे ?
माछ मारे।
केना मारबै ? छव्वर छैया।
केना आनबै ? टांगि टूंगि।
केना काटबै ? हँसुआ कचिया।
केना रिन्हबै ? छलर पत्तर।
केना खैबै ? नम्मा चौरी।
केना पादबै ? टी टाँय।

२८

एक तारा दू तारा
मनमा गोपाल तारा
मनमा क बेटी बड़ भगराहि

भगड़त भगड़ैत गेल गंगा पार
गंगा मैयो बाढ़ ऐ
सेहो बाढ़ कनूनिया लै लेल
कनूनिया बेचारी फुटहा देल
सेहो फुटहा चरवाहा लेल
चरवाहा बेचारा दूध देल
सेहो दूध बिलाइ पी गेल
बिलाइ बेचारी मूस देल
सेहो मूस चिल्हा लै गेल
चिल्हा बेचारा पंखा देल
सेहो पंखा मामू के देल
मामू बेचारा घोड़ा देल
मामी एगो खुदियो ने देल

२९

आ रे कुत्ता आइ जो
नगरी बोलाय जो
नगरी मे आगि लागलौ
बाप के बोलाय जो
बाप देलकौ अंगा टोपी गुदरा कै
नाक मे बुलाकी देलकौ तबला कै
साँझ दै गे लँमली बिछौना बिछाबै मझली
जौ गहुम के कटनी अपका मार गे गोतनी

३०

आ रे कुत्ता आ
नंगरी डोला
नंगरी मे आगि लागली
बाप के बोला

३१

ननदो दाय गे ननदो दाय
बेटा कानैछो खोपरी मे
कानै दै जनपिट्टा के
नाचै दै पमरिया के
देखै दै सिपहिया के

३२

अटकन मटकन दहिया चटकन
साग मास करै करेला
ओहि करेला क नाम की
बाप जाय तेतरी सोहाग
सिही लेवौ कि मंगुरी

३३

हले हले नुनु हले
माइ रुकमिनिया बाप भले
पितिया लोहर राजकुमार
फूफा छ' कलवार के

३४

सुत गे नुनु सुतौनी देवौ
बगरो के टाँग छै बर्सौनी देवौ

३५

आ आ रे खजन चिड़ैया
अंडा पाड़ि पाड़ि ओ
तोरो अंडा आगि लागौ
नुनु के आँखि मे नीन

३६

एलमन बेलसन
धोबिया क पाट सन
कुम्हरा क चाक सन
भनसिया क कठौत सन
केरा क खम्ह सन
भोकना बिलार सन
नुनु ननिहर देख
नुनु ददिहर देख

३७

झुमुरकोना

झुमुरकोना झुमुरकोना कोन कोना जाएब ?
एहि कोना जाएब ?
ऊँ हुँ। ओहि कोना।
झुमुरकोना झुमुरकोना कोन कोना जाएब ?
एहि कोना जाएब ?
ऊँ हुँ। ओहि कोना।

३८

रजकोतवाल

हमरा बाड़ी, हमरा बाड़ी के ठनके ?
रजकोतवाल।
की-की मँगेये ?
आरब चाउर नब ढकना,
राजा पठौलन्हि फटहर लै
ई त फूलले अछि
ई त फरले अछि
ई त काँचे अछि
ई पाकल अछि

३९

मैना के बबा हिरोलिया रे, टूटा जामुन गिरा
कथा गिरेमें त मारबो रे, दु गो पक्का गिरा

४०

कबड्डी

चल कबड्डी करिया
पकड़ि ले धरिया
बना दे हरिया
चल कबड्डी हुर्र
चल कबड्डी हुर्र

४१

चल कबड्डी आरल
सुलतानगंज हारल
दिल्ली के पहाड़ल
के नाम लए पुकारल ?

४२

चल कबड्डी टोइयाँ
पटकि दे भुँइयाँ
कनी देख ले रे गुँइयाँ

४३

चल कबड्डी चटका
उठा कद पटका
हुलि दे बे - खटका

४४

मरल कें हे, मरै दहो
काशी जी मे जरै दहो

४५

चेत कबड्डी चेतकदार
हाड़ न टूटै खबरदार

४६

तार काटौं तरकुन काटौं
काटौं रे खरबूजा
हाथी पर के र'न मिरल
ट'न महाराजा

४७

हे राजा !
की परजा ?
तोहर घोड़ा धान किये खैलक' ?
खैबे करत

घोड़ा के बान्हि दिय' कि छोड़ि दिय' ?
बान्हि दिय' ।

४८

धोधो रानी, कतना पानी ?
घुट्टी तक ।
धोधो रानी, कतना पानी ?
ठेंगहुन तक ।
धोधो रानी, कतना पानी ?
गर्द तक ।
धोधो रानी, कतना पानी ?
नाक तक ।
धोधो रानी, कतना पानी ?
माथा तक ।
ई घर काटौं ?
नहि ।
ई घर काटौं
नहि ।

४९

हे बक टेहनो टेहनो टेहनो,
तूँ छुपकल छ' केहनो ?
हम छुपकल छी तोरे काटे लै,
तू लटकल छ' केहनो ?

हम लटकल छी प्रसाद चढ़ै लै
तू छुपकल छी बेहनो
धक टेहनो टेहनो टेहनो

५०

तारनी बाबू तार कटावै रेल बनावै रेल
रेल चलै धक धक धुइँया फेंकै फक फक
आनापुर मे दाना मिलै भागलपुर मे भात
काशी जी मे डुबकी मारै चल गुरु के साथ

५१

एंग लरी बेंग लरी जमुना लरी
जमुना मे दाल गिरै मामी मरी
मामी के बेटा कूबत खरी
हम तुनू भाग पटना जाय
पटना सँ तू चोली मँगाय
पुलहु पीन्हे साधु फमकाय
नदी किनार मे बगुला बैठे
अहरा चुनि चुनि खाय
सिपी मछलिया काँट चलावै
कलपि कलपि दिन जाय
अगिया अगिया धुरँ घोड़ा ने जाय

५२

करिया झुम्मरि

हे मकलो,
की छोटको ?
बड़को कहाँ गेल ?
बाँस काटै।
बाँस मे की ?
पौंती।
पौंती मे की ?
झरनी।
झरनी मे की ?
ककही।
ककही मे की ?
केस।
केस मे की ?
ढील।
ढील मे की ?
लीख।
लीख पटापट मारै छी
करिया झुम्मरि खेलै छी।

५३

करिया झुम्मरि

पौंती मे की ? — झरनी
झरनी मे की ? — कंघी

IBRARY
SIN

कंघी मे की ? — केस
केस मे की ? — ढील
ढील मे की ? — लीख
लीख पटापट मारै छी
करिया झुम्मरि खेलै छी
लीख पटापट मारै छी
करिया झुम्मरि खेलै छी

५४

एनियाँ से बेनियाँ दरभंगा वाली कनियाँ
सेही कनियाँ मांगै छै लोकनिया हे
कदम जोड़ी फूल
अपन भैया रहितै डोली लागल जैतिहै
पितियौत भैया लागै छै गै-चरवा तन हे

५५

आगु आगु कनियाँ लजाम खैने जाय
पीछू सँ लोकनिया ठेकान कैने जाय

५६

कनियनि मनियनि गिहना क भोर
कनियनि माइ के छै गेल चोर
दौड़ हो सहमोरा क लोग

५७

छौड़ा मौड़ा बंग पकौड़ा,
बेंग के रोटी खो
बाप गेलौ पटना
बन्दूक छै कए जो

५८

बालि दररी भूंग दररी
बाबा पोखरि मे धूम चकरी
भैया पोखरि मे बड़ मछरी

५९

लाल कका हो, लाल गाछी गेलौं
लाल आम पलौं, चोभा लगौलौं
इनार मे ढोल, घन घन बोल
आध महि जायब पछवरिया टोल
बाघ छै, बघिनिया छै
पौंती मे हरमुनिया छै
बोल हरमुनिया बोल

६०

लाल गाछी गेलौं लाल आम पलौं
पैरा पर के बैलौं
पैरवा खोबि खोबि खाइबै

IBRARY
Acc. 5141

अगिला कौआ भुजर भुजर, पछिला कौआ चोर
हमरा मचान पर बैठे रे कौआ
बाघ छौ बघिनिया छौ
पौंती मे हरमुनिया छौ
सिपकी के डाली चमेली के फूल
राजा बम बम बोल

६१

कौआ रे कक्का, आम दे पक्का
मारबौ चोभक्का कक्कक नै, खोधल नै
कांच नै, कपकोहल नै आम दे पक्का,
मारबौ चोभक्का, तब कहबौ कक्का।

६२

हे चुहि चुहिया, पावनि कहिया ?
दिन राति बीति गेल उछलब कहिया ?

६३

खजन चिरैती खजन चिरैती कहिया अकान
आइ नहि, काहि नहि, परसू, अकान

SAHITYA AKADEMI
Library
IBRARY
AC) SIN
MI
period of
overed at
lost they
non-coin
belongs
under shall
book lent